उपखण्ड अधिकारी माण्डल

29-6-21 पत्रावली पेश हुई, अभिभाषकगण द्वारा न्यायिक कार्य स्थगन/बहिष्कार रखने से पत्रावली दिनांक 9/7 को पेश हो।

9-7-21 पत्रावली पेश हुई, उभयपक्ष उपस्थित उभय पक्षो ने बहस करनी चाही, उभयपक्षो की बहस सुनी गयी। वास्ते पत्रावली आदेश हेतु नियत दिनांक 16-7-21 को पेश हो।

16-7-21 उभय पक्ष उपस्थित पीठासीन अधिकारी राज कार्य से व्यस्त है। अवकाश पर है / पदरिक्त है। अतः पत्रावली दिनांक 20-7-21 को पेश हो।

रीडर
उपखण्ड अधिकारी माण्डल

स्वीकार है
पेशकार

20-7-21 पत्रावली पेश हुई, अभिभाषकगण द्वारा न्यायिक कार्य स्थगन/बहिष्कार रखने से पत्रावली दिनांक 27/7 को पेश हो।

27-7-21 पत्रावली पेश हुई उभयपक्ष उपस्थित, वकील प्रार्थी ने बहस के दौरान प्रार्थना पत्र को स्वीकार किये जाने की ईस्तदुआ की। जबकि प्रतिवादी सं 5 के अधिवक्ता ने जवाब के आधार पर प्रार्थना पत्र को खारीज किये जाने की ईस्तदुआ की।
मैंने पत्रावली का अवलोकन किया पत्रावली मे संलग्न दस्तावेजों व मौका रिपोर्ट का अध्ययन किया जिससे जाहिर आया। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने योग्य है अतः वकील प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया

Signature Not Verified
Digitally signed by Pooja Saxena
Date: 2021.12.23 14:19:46 IST
Reason: SelfAttested

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

जाता है। निर्णय पृथक से लिखा जाकर सामित पत्रावली किया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला भीलवाड़ा

Signature Not Verified

Digitally signed by Pooja Saxena
Date: 2021.12.23 14:19:46 IST
Reason: SelfAttested

राजस्थान –सरकार

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी माण्डल जिला भीलवाडा

पीठासीन अधिकारी–डॉ पूजा सक्सैना, आर.ए.एस.
मुकदमा संख्या – 116/20 प्रा०पत्र
1– श्री जगदीश S/o श्री गोपीलाल कलाल निवासी- लुहारिया त० माण्डल

–प्रार्थी

बनाम

1– श्री नाके खॉ S/o याकूब खां मुसलमान निवासी- लुहारिया त० माण्डल [कौरा]
(संलग्नित प्रा-पत्र संलग्न)

–विपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 रा.भू.रा.अधि. 1956

दिनांकः– 27-07-21

::आदेश::

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 रा.भू.रा.अधि. 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम.......लुहारिया.......पटवार हल्का.....लुहारिया.....तहसील माण्डल में उसके खाते / संयुक्त खाते की आराजी नं. 3426/2337 कुल किता......01......रकबा......01......बीघा......–......बिस्वा स्थित है। वादग्रस्त भूमि के विपक्षीगण के मध्य आराजी मुतदायिवा के सीमा चिन्ह नहीं होने से आये दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता रहता है।जिसमें प्रार्थी अपने खाते / संयुक्त खाते की भूमि की पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराये जावें।

प्रस्तुत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय मे दिनांक ......17-07-20......को पंजीबद्व किया जाकर प्रकरण को अवलोकनार्थ से यह बात सिद्ध है कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थी एवं कब्जे काश्त काश्त की होने से पत्थरगढी कराने का अधिकारी है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकारी अभिलेख में किसी प्रकार की हेरा–फेरी होने का अंदेशा नहीं है तथा न किसी प्रकार अधिकर निर्धारित किये जाते है। अतः इन तथ्यों को देखते हुए नैसर्गिक की न्यायिक सिद्वान्त के आधार पत्र स्वीकार योग्य है।

::आदेश::

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111–128 रा.भू.रा.अधि. 1956 का स्वीकार किया जाकर ग्राम......लुहारिया पटवार हल्का......लुहारिया......तहसील माण्डल में उसके खाते / संयुक्त खाते की आराजी नं 3426/2337 ......कुल किता......01......रकबा......01......बीघा......बिस्वा भूमि के चारो तरफ सीमा की पुख्ता जानकारी किये जाने हेतु पत्थरगढी किये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु भू–अभिलेख निरीक्षक......लुहारिया......को......400/– रुपये / – कमिश्नर फीस पर कमिश्नर नियुक्त किया जाता है ... फीस प्रार्थीगण मौके पर जमा करावें। कमिश्नर फीस जमा होने पर पक्षकरान की मौजूदगी में मौके ... कब्जे की यथास्थिति को बनाये रखते हुए मुस्तकील बिन्दु को आधार मानकर ... पर पत्थरगढी नही की जावें।

Signature Not Verified
Digitally signed by Pooja Saxena
Date: 2021.12.23 14:19:46 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला भीलवाड़ा

प्रतिलिपिः– तहसीलदार माण्डल को भेजकर लेख है कि प्रार्थी द्वारा राशि जमा कराने पर नियमानुसार पत्थरगढी की जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करे।

उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला भीलवाड़ा